भारत सरकार
इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय
लोक सभा
तारांकित प्रश्न संख्या *244
जिसका उत्तर 6 अगस्त, 2025 को दिया जाना है।
15 श्रावण, 1947 (शक)

शहरी क्षेत्रों में सामान्य सेवा केंद्र

***244. श्री तेजस्वी सूर्या** :

क्या इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) देश के शहरी क्षेत्रों में कितने सामान्य सेवा केंद्र (सीएससी) स्थित हैं;

(ख) वर्ष 2024 के निगरानी सर्वेक्षण के अनुसार मानकीकृत डिजिटल सेवा मानकों को पूरा करने वाले शहरी सामान्य सेवा केन्द्रों की संख्या और प्रतिशत क्या है;

(ग) उक्त सर्वेक्षण के अनुसार सीएससी के लिए निर्धारित मानकों का ब्यौरा क्या है; और

(घ) सीएससी के भावी विस्तार और वहां प्रदान की जाने वाली संभावित अतिरिक्त सेवाओं से संबंधित योजनाओं का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री (श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (घ): एक विवरण-पत्र सभा पटल पर रख दिया गया है ।

*****

'शहरी क्षेत्रों में सामान्य सेवा केंद्र' के संबंध में दिनांक 06.08.2025 को लोकसभा में पूछे गए तारांकित प्रश्न संख्या *244 के उत्तर में उल्लिखित विवरण पत्र

****

(क) से (घ): नागरिक-केंद्रित सेवाएँ प्रदान करने के लिए देश भर में सामान्य सेवा केंद्र (सीएससी) स्थापित किए गए हैं। सीएससी का नेटवर्क लगातार बढ़ रहा है और वर्तमान में पूरे भारत में 5.6 लाख से ज़्यादा केंद्र कार्यरत हैं, जिनमें शहरी क्षेत्रों में लगभग 1.24 लाख केंद्र शामिल हैं।

ग्राम स्तरीय उद्यमी, जो सीएससी का संचालन करते हैं, वे नागरिक-केंद्रित सेवाएँ प्रदान करने के लिए डिजिटल सेवा पोर्टल (डीएसपी) प्लेटफॉर्म का उपयोग करते हैं:

- सीएससी ई-गवर्नेंस सर्विसेज इंडिया लिमिटेड, पोर्टल के माध्यम से सेवाओं की निरंतरता, पारदर्शिता और बेहतर सेवा प्रदायगी सुनिश्चित करता है।

- डिजिटल सेवा पोर्टल (डीएसपी) सेवा गुणवत्ता को बनाए रखने के लिए कार्यनिष्पादन की निगरानी के साथ-साथ सुरक्षित, बहुभाषी और प्रयोक्तानुकूल सेवा प्रदायगी सुनिश्चित करता है।

सरकार सीएससी पारिस्थितिकी तंत्र के विस्तार के लिए नियमित कदम उठाती है, जिनमें निम्नलिखित शामिल हैं:

- दूरस्थ एवं वंचित क्षेत्रों में तुलनात्मक रूप से गहन पैठ।
- सेवाओं, विशेष रूप से शिक्षा, स्वास्थ्य, वित्तीय समावेशन, कृषि और कौशल विकास जैसे प्रमुख क्षेत्रों में सेवाओं का विविधीकरण।
- कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी) और ब्लॉकचेन जैसी उन्नत प्रौद्योगिकियों के एकीकरण सहित प्रौद्योगिकी-आधारित नवाचार।

*****